EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

**प्रेस विज्ञप्ति**

## हस्तशिल्प एक्सपो नरसापुर- 2025
## ईपीसीएच अंतरराष्ट्रीय लेस ट्रेड सेंटर (आईएलटीसी), नरसापुर, आंध्र प्रदेश
## 21 से 25 मार्च 2025

## भारत सरकार के माननीय केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने हस्तशिल्प एक्सपो नरसापुर- 2025 का उद्घाटन किया

## उद्घाटन समारोह में माननीय जल संसाधन विकास मंत्री डॉ. निम्मला रामा नायडू की गरिमामयी मौजूदगी रही

## चिरस्थायी हस्तशिल्प और समकालीन लाइफस्टाइल उत्पादों के साथ प्रभावशाली मंच

**नरसापुर, आंध्र प्रदेश- 22 मार्च 2025:** हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा 21 से 25 मार्च 2025 तक आंध्र प्रदेश के नरसापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय लेस ट्रेड सेंटर (आईएलटीसी) में आयोजित हस्तशिल्प एक्सपो 2025 का उद्घाटन आज भारत सरकार के माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने किया।

उद्घाटन समारोह में माननीय जल संसाधन विकास मंत्री और पालाकोल से विधायक डॉ. निम्माला राम नायडू; श्री बोम्मिदी नायकर, विधायक, नरसापुरम; श्री पितानी सत्यनारायण, विधायक, अचंता; श्री कोथापल्ली सुब्बा रायडू, अध्यक्ष, ए.पी. राज्य कापू निगम के साथ ही ईपीसीएच के सीओए सदस्यों श्री के एन तुलसी राव, श्री रवि के पासी; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा, आंध्र प्रदेश के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और सदस्यों की गरिमामयी मौजूदगी देखी गई।

इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए भारत सरकार के माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने कहा, "मैं टीम ईपीसीएच और नरसापुर के स्टेकहोल्डर्स को इस अभूतपूर्व मंच को बनाने के लिए बधाई देता हूं, जहां पूरे देश से आगंतुक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह शो खास तौर पर शिल्प और विरासत से समृद्ध कारीगरों के लिए उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने और लोगों से जुड़ने का एक शानदार अवसर है। इस दौरान उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प उद्योग के महत्व पर और खास तौर पर ग्रामीण रोजगार सृजन एवं निर्यात क्षमता में इसके महत्व पर बल डाला।"

माननीय मंत्री महोदय ने विशिष्ट व्यक्तियों के साथ आईएलटीसी, नरसापुर में एक अत्याधुनिक डाइंग यूनिट का भी उद्घाटन किया। यह आधुनिक डाइंग यूनिट पर्यावरण के अनुकूल उन्नत तकनीक से सुसज्जित है, जो पारंपरिक डाइंग तकनीकों की समृद्ध विरासत को संरक्षित तो करता ही है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करता है कि पर्यावरण पर इसका न्यूनतम प्रभाव पड़े।

माननीय जल संसाधन विकास मंत्री और पालाकोल से विधायक डॉ. निम्मला रामा नायडू ने कहा, "आंध्र प्रदेश के नरसापुर में आयोजित यह गौरवपूर्ण कार्यक्रम भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत का जश्न मना रहा है, यह कारीगरों और उद्योग के स्टेकहोल्डर्स को देश के बेहतरीन हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान कर रहा है। हस्तशिल्प केवल उत्पाद नहीं हैं; वे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पीढ़ियों से चले आ रहे कौशल का प्रतिनिधित्व करते हैं।"

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा, "नरसापुर हस्तशिल्प एक्सपो - 2025 में प्रदर्शित उत्पाद अपने में अनूठे हैं, ये शिल्प कौशल, परंपरा और नवाचार के मिश्रण को बहुत खूबसूरती से दर्शाते हैं। यह खजाना न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, बल्कि इन्हें समकालीन वैश्विक ट्रेंड के अनुरूप भी डिजाइन किया गया है। यह आयोजन एक बहुप्रतीक्षित मेला सीरिज की शुरुआत है, जिसमें शिल्पकारों की रचनात्मकता को प्रदर्शित किया गया है, यहां वो अपने उत्कृष्ट शिल्प कौशल और अनूठे उत्पादों को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं।"

ईपीसीएच महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया, "हस्तशिल्प एक्सपो- 2025 जैसे आधुनिक, दीर्घकालिक बिजनेस मॉडल में भारत की समृद्ध शिल्प परंपराओं को बहुत सहजता के साथ जोड़ा गया है, और इसे इसमें शामिल सभी स्टेकहोल्डर्स को लाभ पहुंचाने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। इससे पुरस्कार विजेता शिल्पकारों को जोड़ना यह सुनिश्चित करता है कि यह आयोजन प्रमाणिक, शिल्प कार्यों से समृद्ध है जो भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती के साथ पेश करता है। इस मेले के आगंतुकों को यहां लकड़ी के शिल्प, हॉर्न एवं बोन क्राफ्ट्स, जरी एवं जरी शिल्प, हाथ से बनाए गए चमड़े के उत्पादों, कढ़ाई एवं क्रोशिए के शिल्प, आर्टमेटलवेयर आदि के विस्तृत रेंज की छानबीन करने का अवसर मिलेगा।"

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "यह एक्सपो नरसापुर में हस्तशिल्प उद्योग के लिए एक नए युग की पहचान है, जो कारीगरों को पहचान बनाने और उनके बाजारों का विस्तार करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य भारतीय हस्तशिल्प को उनकी पारंपरिक विशेषताओं को संरक्षित करते हुए वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना है।"

उनके इस भावना को दोहराते हुए ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा, "अपनी समृद्ध विरासत, शिष्टता और पाक-कला के लिए मशहूर नरसापुर, लेस और क्रोशिए के उत्पादों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी उभरा है।"

ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति (सीओए) के सदस्य और नरसापुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री के.एन. तुलसी राव ने कहा, "यह मेला अपने आयोजन के प्रत्येक दिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक आगंतुकों का स्वागत करेगा और यह एक बीटूसी आयोजन है। इसका उद्देश्य ऑन-द-स्पॉट बिक्री को प्रोत्साहन करना और खुदरा विक्रेताओं एवं कई अन्य पेशेवरों के अलावा वॉल्युम बायर्स को महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करना है। मेले के पांच दिनों के दौरान, मजेदार गतिविधियों, इंटरैक्टिक गेम्स और खुद से कर के सीखने के वर्कशॉप को समर्पित एक किड जोन की व्यवस्था भी होगी। इसके अलावा, मेले में विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ क्षेत्रीय खान पान सामग्रियों का विशाल रेंज भी मौजूद होगा जो आगंतुकों के लिए एक शानदार पाक अनुभव सुनिश्चित करेगा।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा, "ईपीसीएच नियमित रूप से व्यापार के लिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म तैयार करके क्षेत्रीय शिल्प को बढ़ावा देने का प्रयास करता रहा है, खास तौर पर सूक्ष्म और लघु उद्यमियों, कारीगरों और शिल्पकारों के लिए ताकि वे अपने विरासत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर सकें। इनके उद्यमों की जीवंत लाइनें भी शो में आने वाले आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल संस्थान है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था।

---

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810679868

**PRESS RELEASE**

## Handicrafts Expo Narsapur-2025
### EPCH International Lace Trade Centre (ILTC), Narsapur, Andhra Pradesh
### 21st to 25th March 2025

# Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma, Hon'ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India Inaugurated Handicrafts Expo Narsapur-2025

## Ceremony also saw august presence of Dr. Nimmala Rama Naidu, Hon'ble Minister of Water Resource Development

### Majestic Platform with Timeless Handicrafts and Contemporary Lifestyle Products

**Narsapur, Andhra Pradesh 22nd March 2025:** The Handicrafts Expo Narsapur - 2025, organised by the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) from 21st to 25th March 2025, at the International Lace Trade Centre (ILTC), Narsapur, Andhra Pradesh was inaugurated today by Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma, Hon'ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India.

The ceremony also saw august presence of Dr. Nimmala Rama Naidu, Hon'ble Minister of Water Resource Development & MLA, Palakol; Shri Bommidi Nayakar, MLA, Narsapuram; Shri Pitani Satyanaryana, MLA, Achanta; Shri Kothapalli Subba Rayudu, Chairman, A.P. State Kapu Corporation along with Members COA EPCH Shri K N Tulasi Rao, Shri Ravi K. Passi; Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH, other senior officials and members from the Andhra Pradesh.

Addressing the gathering Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma, Hon'ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India said "I congratulate team EPCH and stakeholders from Narsapur for creating this phenomenal platform where visitors from all over the nation are visiting. He added that the show is a great opportunity, especially for artisans from across the craft & heritage rich to showcase their products and connect with the audience. He further highlighted the importance of the handicraft industry in India's economy, particularly in rural employment generation and export potential".

Hon'ble minister also inaugurated a state-of-the-art Dyeing Unit at ILTC, Narsapur along with the dignitaries. This modern dyeing unit is equipped with advanced eco-friendly technology, ensuring minimal environmental impact while preserving the rich heritage of traditional dyeing techniques.

Dr. Nimmala Rama Naidu, Hon'ble Minister of Water Resource Development & MLA, Palakol shared that "the prestigious event, held in Narsapur, Andhra Pradesh, celebrates the rich heritage of Indian handicrafts, providing a unique platform for artisans and industry stakeholders to showcase and promote the country's finest handcrafted products. Handicrafts are not just products; they are a representation of India's rich cultural heritage and the skills passed down through generations.

Shri Dileep Baid, Chairman of EPCH, remarked, "The displays at Handicrafts Expo Narsapur - 2025 feature one-of-a-kind creations that beautifully capture the essence of craftsmanship, tradition and innovation. These treasures not only reflect India's rich cultural heritage but are also designed to suit contemporary global trends. This event marks the beginning of a

highly anticipated fair series, showcasing the creativity of craftsperson who have been presenting their exquisite craftsmanship and unique products to the world.”

Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in the role of Director General EPCH & Chairman – IEML, informed, “This seamless integration of India’s rich craft traditions into a modern, sustainable business model such as Handicrafts Expo Narsapur - 2025, is thoughtfully designed to benefit all stakeholders involved. The inclusion of award-winning craftspeople ensures the event is enriched with authentic, artisanal works that beautifully reflect India’s diverse cultural heritage. Visitors will have the opportunity to explore a wide range of crafts, including Wooden Crafts, Horn & Bone Crafts, Zari & Zari Crafts, handmade leather products, Embroidery and Crocheted crafts, Artmetalware etc.”

Dr. Neeraj Khanna, Vice Chairman, EPCH, shared, “This expo marks a new era for the handicraft industry in Narsapur, providing a robust platform for artisans to gain recognition and expand their markets. Our goal is to make Indian handicrafts globally competitive while preserving their traditional essence” Echoing this sentiment,

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH, added, “Narsapur, renowned for its rich heritage, chivalry and gastronomy, has also emerged as a prominent hub for Lace and crocheted products.”

Shri K. N. Tulasi Rao, Member, Committee of Administration (CoA) EPCH and Prominent Member Exporter from Narsapur, added, “The fair will welcome visitors on all days from 11 AM to 8 PM, functioning as a B2C event. It aims to encourage on-the-spot sales while offering significant opportunities for volume buyers. In addition to retail shoppers and many other professionals.” He further added “Over the five days, a specially curated Kid Zone will offer an exciting array of fun-filled activities, interactive games, and hands-on workshops. Additionally, the fair will feature a diverse selection of delectable cuisines and regional delicacies, ensuring a delightful culinary experience for all visitors.”

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH said, “EPCH has been regularly making efforts to promote regional crafts by curating marketing platforms for trade, especially for micro and small entrepreneurs, artisans and crafts persons to showcase their heritage craft skills. Vibrant lines by these enterprises are also among attractions for the visitors to the show.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US $ 3,956 Million) informed Shri. R. K. Verma, Executive Director - EPCH.

-----------------------------------------------------------------------------------------------

**For more information please contact:**
Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868
Encl: Hindi, English with Photos

**Photo 1 & 2:** Hon'ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma inaugurated Handicraft Expo Narsapur 2025 by Lamp lighting and Ribbon cutting in the presence of Dr. Nimmala Rama Naidu, Hon'ble Minister of Water Resource Development & MLA, Palakol; Shri Bommidi Nayakar, MLA, Narsapuram; Shri Pitani Satyanarayana, MLA, Achanta; Shri Kothapalli Subba Rayudu, Chairman, A.P. State Kapu Corporation along with Members COA EPCH Shri K. N. Tulasi Rao, Shri Ravi K. Passi; Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH, other senior officials and members from the Andhra Pradesh at ILTC, Narsapur.

**Photo 3:** Hon’ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma inaugurated Dyeing Unit at ILTC Narsapur along with the other dignitaries during Handicraft Expo Narsapur – 2025, ILTC, Narsapur.

**Photo 4**: Shri Bhupathiraju Srinivasa Varma, Hon’ble Union Minister of State for Heavy Industries & Steel, Govt. of India addressing the august gathering during Handicraft Expo Narsapur 2025 at ILTC, Narsapur, Andhra Pradesh

**Photo 5:** Dr. Nimmala Rama Naidu, Hon’ble Minister of Water Resource Development addressing the august gathering during Handicraft Expo Narsapur 2025 at ILTC, Narsapur, Andhra Pradesh

**Photo 6:** Hon’ble minister interacting with exhibitors during Handicraft Expo Narsapur - 2025 at ILTC, Narsapur